विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 26 फरवरी से 4 मार्च 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 41 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में उस व्यक्ति को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिसने मुसीबत में तुम्हें साथ दिया है, तुम्हारा सहारा बना हो और तुम्हारे लिए उसने अपनी खुशियों को कुर्बान किया है. जो लोग ऐसे लोगों को दिन बदलने पर भूल जाते हैं, उनसे बड़ा कृतघ्न कोई नहीं हो सकता है. ऐसे लोगों को कुछ वर्ष खुशी भले ही मिल जाए लेकिन बाद में उसका भुगतान उसे करना पड़ता है. इसलिए जीवन में सदा कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए.

राज्य कर्मचारियों के लिए खुशी, महंगाई भत्ता बढ़ा

मुंबई- महाराष्ट्र सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन फीसदी की बढ़ोत्तरी करते हुए खुशी दी है. वित्त राज्यमंत्री आशीष जायसवाल ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि यह वृद्धि जुलाई 2025 से प्रभावी होगी. इसके साथ ही डीए बढ़कर 58 फीसदी हो जाएगा. लाखों कर्मचारियों को इसका लाभ होगा. जुलाई से अक्तूबर 2025 तक की अवधि का बकाया मार्च 2026 में गुढ़ी पाडवा के अवसर पर दिया जाएगा. नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक का बकाया के संबंध में अलग से आदेश जारी करने की बात कही.

नासिक कुंभ की तैयारियों में लगी सरकार

भक्तों के स्नान के लिए दो किलोमीटर का लंबा घाट बनेगा, मेला आयुक्त शेखर सिंह रख रहे तैयारियों पर नजर

विदर्भ स्वाभिमान, 25 फरवरी

मुंबई/अमरावती- नासिक में होने वाले कुंभ मेले के लिए राज्य सरकार द्वारा तैयारियां आरंभ की जा रही हैं. मेला आयुक्त शेखर सिंह इस मामले में काम के साथ ही उनकी गुणवत्ता तथा अन्य बातों पर गंभीरता से ध्यान दे रहे हैं. भारत ही नहीं तो विश्वभर से आने वाले भक्तों का ध्यान रखने के लिए यहां पर हर तरह की तैयारियां की जा रही हैं.

त्र्यंबकेश्वर में अमृत स्नान के लिए करीब दो किमी लंबा नया घाट बनाया जा रहा है. नाशिक कुंभ के लिए पहली बार प्रशासन ने यह निर्णय लिया है. इसके लिए सभी प्रमुख अखाड़ों की सहमति मिल गई है. इसमें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

७५ लाख से अधिक भक्त लगाएंगे डुबकी,१८ माह चलेगा

सिंहस्थ कुंभ के दौरान करीब 12 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है. इनमें से लगभग 8 करोड़ नाशिक और 4 करोड़ त्र्यंबकेश्वर पहुंच सकते हैं. मेला आयुक्त शेखर सिंह ने यह जानकारी दी. शेखर सिंह ने कहा कि अब तक पारंपरिक कुशावर्त तीर्थ पर ही अखाड़े शाही स्नान करते रहे हैं.वहां स्थान सीमित होने और भीड़ नियंत्रण में कठिनाई के कारण कुशावर्त से करीब 1 किमी दूर त्र्यंबकेश्वर में नया घाट बन रहा है. इस घाट पर तीन नए कुंड बनाए जाएंगे. यहां गोदावरी का शुद्ध जल पहुंचाने की भी तैयारी है. नए घाटों पर भी विधिवत ध्वजारोहण किया जाएगा. अक्टूबर 2026 के अंत में प्रारंभ होने वाले कुंभ को लेकर व्यापक स्तर पर नियोजन जारी है.

साधुग्राम का विस्तार और भूमि अधिग्रहण- मेला आयुक्त तथा इस तरह के आयोजनों का गहन अनुभव रखने वाले शेखर सिंह ने बताया कि पिछले कुंभ की अपेक्षा इस बार साधुग्राम का क्षेत्रफल चार गुना अधिक होगा. करीब 377 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है. सिंहस्थ का पर्वकाल लगभग 18 महीनों का होगा. पीक समय (प्रमुख स्नान पर्व) में नाशिक में डेढ़ करोड़ और त्र्यंबकेश्वर में लगभग 75 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है. इसकी तैयारियां की जा रही हैं.

ऑटोमोबाइल परिवहन क्षेत्र में रेल बन रहा है उभरता माध्यम, बढ़ी है भारी कमाई

विदर्भ स्वाभिमान, 26 फरवरी

अमरावती- विश्व स्तर पर ऑटोमोबाइल परिवहन के क्षेत्र में रेल एक तेजी से उभरता माध्यम बनकर सामने आ रहा है.

सड़क, रेल और समुद्री परिवहन के बीच संतुलन स्थापित करते हुए कई देश कम लागत, कम कार्बन उत्सर्जन और अधिक दक्षता के कारण रेल आधारित लॉजिस्टिक्स को प्राथमिकता दे रहे हैं.भारत में भी यही बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. भारतीय रेलवे ने पिछले एक दशक में कारों के परिवहन में अपनी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत से अधिक कर दी है. यह बदलाव सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.पहले भारत में अधिकांश कारों का परिवहन ट्रकों के जरिए सड़क मार्ग से किया जाता था. इससे लागत अधिक और कार्बन उत्सर्जन भी ज्यादा होता था. लेकिन रेल आधारित परिवहन ने इस क्षेत्र में लागत कम करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाई है. रेल परिवहन न केवल सुरक्षित है, बल्कि लंबी दूरी के लिए अधिक किफायती और ऊर्जा दक्ष भी साबित हो रहा है.

अहमदाबाद रेल मंडल की बड़ी उपलब्धि-पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आने वाले अहमदाबाद रेलवे डिवीजन ने इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. गजरात के हंसलपुर स्थित प्लांट रेलवे साइडिंग प्रोजेक्ट अब वैश्विक स्तर पर एक बेंचमार्क के रूप में उभर चुका है. यह परियोजना ऑटोमोबाइल निर्माताओं को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ती है, जिससे कारों की ढुलाई तेज और व्यवस्थित तरीके से संभव हो पाती है.इससे रेलवे को करोड़ों रूपए की कमाई हो रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

लाखों के खर्च की बर्बादी को नहीं है किसी को चिंता

निजी बगीचों की सुंदरता और महानगर पालिका के बगीचों कीबद्हाली का अगर गौर करें तो शहर में जितने भी मनपा बगीचे हैं, जिन पर लाखों और प्रशांत नगर के बगीचे जैसे पर करोड़ रूपए का खर्च होने के बाद भी बद्हाली चिंताजनक है. इस विषय को राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस द्वारा उठाया गया. इसकी सराहना की जानी चाहिए. लेकिन आज भी लाखों लोगों को सुकून देने वाले महानगर के 100 में से अधिकांश बगीचे अपनी बद्हाली पर रो रहे हैं. सवाल यह है कि लाखों रूपए का खर्च, मेंटेनंस खर्च रहने के बाद भी स्थिति में बदलाव नहीं आ रहा है. आखिर लाखों रूपए कहां जा रहा है, इसके बारे में जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए.

कितने हैरत की बात है कि एक ओर सरकार द्वारा पर्यावरण संतुलन के लिए करोड़ों रूपए खर्च किया जा रहा है, वहीं स्थानीय निकायों की लापरवाही से शहर के बगीचों की हालत दयनीय हो गयी है. इस विषय को राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस ने उठाया है, इसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए. शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने के दावों के बीच अमरावती महानगरपालिका के उद्यान विभाग की कथित लापरवाही को लेकर राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस ने तीव्र आक्रोश व्यक्त किया. संगठन के पदाधिकारियों ने मनपा आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए विभागीय कामकाज की निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की.

युवक कांग्रेस के शहराध्यक्ष ऋतुराज राऊत ने आरोप लगाया कि शहर के उद्यानों का विकास, रखरखाव और मरम्मत कार्य पूरी तरह उपेक्षित है. कई उद्यानों में खेल उपकरण नादुरुस्त पड़े हैं, डिवाइडरों की हरियाली सूख चुकी है और वृक्ष छंटाई के बाद शाखाएं लंबे समय तक नहीं हटाई जातीं, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है. हाल ही में विभाग में चार नए वाहन शामिल किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर सुधार दिखाई नहीं दे रहा.अधिकारियों द्वारा मनुष्यबल और बजट की कमी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा जा रहा है, जिससे शहर की हरित छवि को आघात पहुंच रहा है. विरोधस्वरूप कार्यकर्ताओं ने उद्यान अधीक्षक के कक्ष में पेड़ों की शाखाएं डालकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया तथा महापौर को भी स्थिति से अवगत कराया.

उद्यान विभाग के कामकाज की पारदर्शी जांच कर शीघ्र सुधारात्मक कदम नहीं उठाने पर जनांदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है. उद्यान विभाग में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की खबरें लंबे समय से चलती रही हैं लेकिन हैरत की बात है कि इस मामले में प्रशासन द्वारा कभी गंभीरता नहीं दिखाई जाती है. मनपा के कुछ ही बगीचे वर्तमान में बेहतरीन स्थिति में हैं, कई बगीचों में व्यायाम के लिए लगाई गई मशीनें खराब होने के बाद भी उन्हें सुधारने की फुर्सत किसी को नहीं है. बगीचों के रख-रखाव के नाम पर लाखों रूपए का बिल निकल रहा है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि शहर के अधिकांश बगीचे बद्हाल हैं और हरियाली गायब हो गई है. सवाल उठता है कि अगर बगीचों पर खर्च नहीं हो रहा है तो लाखों रूपए की निधि कहां जा रही है. ऐसी हालत कई सड़कों की है.

सहकार बैंकों में सुधार का प्रयास

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

हाल के वर्षों में सहकारी बैंकों की पारदर्शिता, जवाबदेही और वित्तीय स्थिरता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने कई अहम बदलाव किए हैं. इनका उद्देश्य जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करना और सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना है. राज्य सरकार ने भी सहकारी बैंकों को मजबूत बनाने के साथ ही संचालकों के लिए कुछ मापदंड तय किया है, इसके मुताबिक 10 साल से अधिक कोई भी व्यक्ति बैंक का संचालक नहीं रह सकता है. इसका असर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों पर भी पड़ने वाला है. बैंकिंग रेगुलेशन (संशोधन) अधिनियम 2020 के बाद शहरी सहकारी बैंकों पर आरबीआई का नियंत्रण मजबूत हुआ है. अब प्रबंधन, ऑडिट और पुनर्गठन से जुड़े मामलों में आरबीआई की भूमिका अधिक प्रभावी हो गई है. बैंकों के संचालक मंडल की योग्यता, कार्यकाल और फिट एंड प्रॉपर मानदंडों को सख्त किया गया है. इसकी सराहना की जानी चाहिए. पेशेवर प्रबंधन और अनुभवी निदेशकों की नियुक्ति पर जोर दिया जा रहा है.

सहकारी बैंकों के लिए पूंजी पर्याप्तता और एनपीए से जुड़े नियमों को अधिक कठोर बनाया गया है, ताकि वित्तीय जोखिम कम हो और जमाकर्ताओं का भरोसा बना रहे. राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण ने सहकारिता क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए सहकारी बैंकों के चुनाव नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन लागू कर दिया है. जिसके तहत अब जिला सहकारी बैंकों के संचालक लगातार 10 वर्ष से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकेंगे. इस फैसले से वर्षों से जिला बैंकों पर प्रभाव बनाए रखने वाले कई वरिष्ठ नेताओं को बड़ा झटका लगा है. जिसमें अमरावती जिला मध्यवर्ती बैंक के वर्तमान संचालक मंडल के 10 सदस्यों का समावेश है.10 साल की सीमा लागू होने से जिला बैंक का अगला चुनाव नहीं लड़ सकेंगे. अमरावती जिला मध्यवर्ती बैंक के चुनाव आगामी 10 अक्टूंबर को प्रस्तावित है. जिला सहकारी बैंक स्थानीय राजनीति का मजबूत आधार माने जाते हैं. कई नेता लंबे समय से इन बैंकों के माध्यम से अपना प्रभाव बनाए हुए है. अब 10 वर्ष की सीमा लागू होने से पुराने और प्रभावशाली नेताओं को अनिवार्य रूप से पद छोड़ना पड़ सकता है. जिसके खिलाफ वे कोर्ट में अपील की तैयारी में है. संचालको का कहना है कि यदि वोटर हमे चुनकर देते है, तो फिर हमारा खड़ा रहने का अधिकार क्यों छीना जाये. यह निर्णय राज्य की सहकारिता राजनीति में बड़ा बदलाव साबित हो सकता है. लेकिन इसके पीछे का क्या कारण है, यह तो सहकार विभाग जाने लेकिन एक ही महत्वपूर्ण पद पर लंबे समय तक बैठे रहने पर गड़बड़ियों की संभावना भी होती है. ऐसे में सरकार का यह फैसला बैंकों के हित में भी माना जा सकता है. जो कई वर्षों से संचालक के रूप में बने हुए हैं, ऐसे लोगों के हटने से कम से कम नए लोगों को भी मौका मिलेगा. बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट 1949 में किए गए संशोधन तथा बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार बैंकिंग कंपनियों के संचालकों के लिए पहले से 8 वर्ष की सीमा निर्धारित थी. सहकारी बैंकों के लिए पहली बार 10 वर्ष की अधिकतम अवधि तय की गई है. यह नियम 1 अगस्त 2025 से लागू हो चुका है. उच्च न्यायालय के विभिन्न आदेशों के बाद प्राधिकरण ने सभी जिला और तहसील चुनाव अधिकारियों को संशोधित नियमों के अनुसार ही चुनाव प्रक्रिया संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं. इस फैसले का अमरावती जिला बैंक पर भी बड़ा असर पड़ेगा. लेकिन सरकार के इस फैसले की सराहना की जानी चाहिए.सहकार में अपार क्षमताएं होती हैं, ऐसे में सरकार का यह फैसला राजनीतिक नहीं बल्कि कल्याणकारी होना चाहिए.

संघर्ष में तपकर सोना बना संतोष शेंडे

ज़न्मदिन पर विशेष, संघर्ष से जूझकर सफलता तक का सफर है सराहनीय

बचपन के संघर्षों से जूझते हुए स्वयं के संवारने के साथ ही पत्रकारिता के माध्यम से समाज तथा राष्ट्र के लिए कुछ करने का जज्बा रखने वाले संतोष शेंडे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. मिलनसार, विनम्रता के साथ ही उन्होंने लेखनी को जनसेवा का माध्यम बनाया और प्रगति के साथ ही आज भी जो सम्मान प्राप्त किया है, वह सभी के नसीब में नहीं रहता है. अमरावती जिले के भातकुली तालुका के टाकरखेडा संभू गांव के पत्रकार संतोष शेंडे ग्रामीण पत्रकारिता का सशक्त उदाहरण हैं. ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता शहरों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण और सीधे जनता से जुड़ी होती है. संतोष शेंडे ने अपने निर्भीक, निष्पक्ष और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लेखनी के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है.

उन्हें स्थानीय समस्याओं किसानों के मुद्दे, पानी संकट, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रशासनिक त्रुटियों की गहरी समझ है. वे केवल सुनी-सुनाई बातों पर खबर नहीं बनाते, बल्कि तथ्यों की पड़ताल कर सरकारी नियमों और कानूनों का अध्ययन कर प्रभावी रिपोर्टिंग करते हैं.पिछले 25 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े संतोष शेंडे ने अपने पिता की पेपर एजेंसी से कार्य की शुरुआत की. अमरावती बस डिपो में अखबार बेचने से लेकर आज एक सम्मानित ग्रामीण पत्रकार बनने तक का उनका सफर प्रेरणादायी है. उन्होंने पत्रकारिता को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम माना है. संतोष शेंडे के जीवन में कम संघर्ष नहीं रहे हैं लेकिन उन्होंने सदा संघर्षों से रास्ता निकाला और आज व्यवसाय के साथ ही पत्रकारिता के माध्यम से जिस तरह से समाज तथा राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं, उसकी निश्चित तौर पर सराहना की जानी चाहिए. टाकरखेड़ा संभू निवासी संतोष शेंडे की व्यस्तता भरपूर रहने के बाद भी उनके चेहरे पर कभी थकान नहीं रहता है.

उनका मानना है कि जीवन में बिना मेहनत, लगन तथा प्रयास के कुछ हासिल नहीं हो सकता है. ऐसे में जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो निश्चित तौर पर प्रयासों को कम नहीं होने देना पड़ेगा. पत्रकार के रूप में जहां वे अन्याय के विरूद्ध बेखौफ आवाज उठाते हैं और आम लोगों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाकर समाधान का प्रयास करते हैं. उनकी पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें अलग पहचान देती है.बचपन से लेकर माता-पिता को सम्मान देने के साथ ही समाज के दीन-दलितों ,पीड़ितों की समस्याओं को मुखर करते हुए उसका निराकरण करने का प्रयास करते हैं.

संतोष शेंडे वर्तमान में मराठी पत्रकार संघ के भातकुली तालुका अध्यक्ष तथा सरपंच संगठन के प्रदेश मीडिया प्रमुख के रूप में भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं. उन्हें कई राज्यस्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है.निस्संदेह, अपनी सशक्त लेखनी से ग्रामीण समाज की आवाज बनने वाले संतोष शेंडे एक आदर्श ग्रामीण पत्रकार हैं. उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, वह स्वस्थ रहें, यही कामना.

प्रा.डॉ.अरूण बुंदेले
अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

सेवा,अध्यात्म,संस्कारों की जननी हैं पूज्य मां

देश की प्रथम महिला महामंडलेश्वर के रूप में पूज्य कनकेश्वरी देवी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है. उन्होंने सनातन धर्म की परंपराओं में महिलाओं की सशक्त भूमिका का मार्ग प्रशस्त किया और आध्यात्मिक क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित की.पूज्य मां कनकेश्वरी देवी सेवा,ममता, वात्सल्य, अध्यात्म के साथ संस्कारों की जननी हैं. जिनका सानिध्य और आशिर्वाद ही सबसे बड़ी दवाई है. लाखों ऐसे अनुयायी हैं, जिन्हें मां का आशिर्वाद प्राप्त हुआ है.

पूज्य मां कनकेश्वरी देवी के अवतरण दिन पर विशेष

प्रारंभिक जीवन-कनकेश्वरी देवी का जन्म एक धार्मिक और संस्कारवान परिवार में हुआ. बचपन से ही उनका झुकाव अध्यात्म, साधना और सेवा की ओर था. वे वेद-पुराण, उपनिषद और धर्मग्रंथों का अध्ययन करती रहीं तथा गुरुओं के सान्निध्य में रहकर आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित किया.गुरूजी पर अपार श्रद्धा रखने वाली मां का बचपन ही अध्यात्म तथा भक्तिभाव से ओतप्रोत था.गुरू तथा भक्तिभाव की भावना बचपन से ही प्रबल रहने के कारण अध्यात्मिक क्षेत्र में बचपन से ही मां सक्रिय हो गई थी.

युवावस्था में उन्होंने सांसारिक मोह-माया का त्याग कर संन्यास मार्ग अपनाया. कठोर तप, साधना और सेवा के बल पर उन्होंने समाज में आध्यात्मिक जागरण का कार्य किया. उनकी वाणी में मधुरता और विचारों में स्पष्टता थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग उनके प्रवचनों से प्रभावित हुए.उनकी तपस्या, विद्वता और धर्मसेवा को देखते हुए उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि से अलंकृत किया गया. देश की प्रथम महिला महामंडलेश्वर के रूप में उनका अभिषेक एक ऐतिहासिक क्षण माना गया, जिसने धार्मिक नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी को नई दिशा दी. मां के मार्गदर्शन में देशभर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक उपक्रम भी चल रहे हैं.

कनकेश्वरी देवी ने शिक्षा, गौसेवा, महिला सशक्तिकरण और गरीबों की सहायता जैसे अनेक सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई. उन्होंने आश्रमों और धर्मस्थलों के माध्यम से आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार किया. मां का कहना है कि बचपन से ही संस्कारों के जतन पर माता-पिता को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए. उनका जीवन सादगी, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक रहा. वे सभी धर्मों और वर्गों के लोगों के प्रति समान भाव रखती थीं. उनके व्यक्तित्व में करुणा, दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता का अद्भुत संगम दिखाई देता था. ज़ीवन में कभी भी परमार्थ का कार्य जारी रखने की सीख वे देती हैं. देश की प्रथम महिला महामंडलेश्वर कनकेश्वरी देवी ने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक नेतृत्व केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है. उनका जीवन त्याग, तपस्या और सेवा की प्रेरणादायक गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को धर्म और समाजसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा.अध्यात्मिक ज्ञान अर्जित किया.क़हते हैं कि जहां धर्म होता है, वहीं विजय होती है, जहां सदाचार होता है, वहीं आदर्श संस्कार होता है, जहां भाव होता है, वहीं देव होता है. इन तीनों ही स्थितियों की त्रिवेणी संगम के रूप में महामंडलेश्वर और आधुनिक भारत की मीरा के रूप में न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में सम्मान प्राप्त करने वाली पूज्य मां कनकेश्वरी हैं. मां ने धर्म को जहां अपने कार्यों से गौरवान्वित किया है, वहीं दूसरी ओर इसे अध्यात्मक, संस्कारों को बढ़ावा देने का माध्यम बनाया है. मां का 2 मार्च को अवतरण दिवस है, इस उपलक्ष्य में धर्म, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान की ओर से चरणों में नमन.

अमरावती से गहरा नाता

अमरावती का काफी दिल का गहरा नाता मां का है.यहां उनके हजारों की संख्या में भक्त हैं. मां जहां धार्मिकता को समाजसेवा और राष्ट्र सेवा का माध्यम मानती हैं, वहीं उनकी कथाओं में भी मानवता की सेवा, धर्म की सेवा और गौसेवा को किस तरह से करना पुण्यदायी है, इसका बेहतरीन उदाहरणों के माध्यम से समझाने का प्रयास करते हैं. प्रभु की कृपा उन पर अपार है, यही कारण है कि लाग-लपेट से कोसों दूर रहती हैं. पूरा जीवन ही प्रभु सेवा और मानव सेवा में समर्पित कर दिया है. 2023 में पूज्य कनकेश्वरी देवी की श्रीराम कथा बडनेरा में हुई थी. कथा को जबर्दस्त प्रतिसाद मिला था. इस दौरान उनका मुकाम मां के भक्त समाजसेवी के यहां था. कथा के दौरान जहां वे धार्मिक ग्रंथों के विभिन्न प्रसंगों को बताती हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता के धर्म को सर्वोच्च मानते हुए मानवता की सेवा करने की सीख देती हैं.मां धीर-गंभीर लेकिन स्पष्ट हैं. उन्हें कोई बात स्पष्टता के साथ कहने में गुरेज नहीं रहता है. देशभर में उनकी कथाएं शुरू रहती हैं. विश्वस्तर पर भी मां की श्रीराम कथा कई देशों में भी होती है. उनके भक्त आज देशभर में हैं और उनकी व्यस्तता भी सदैव रहती है लेकिन प्रभु की ही इसे कृपा कहना होगा कि उनके चेहरे पर सदैव मुस्कान रहती है, जो अन्यों को प्रेरणा देती है. 2 मार्च को मां के अवतरण दिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, लाखों भक्तों का मार्गदर्शन करते रहें, प्रभु श्रीराम के चरणों में हमारी यही कामना.

सुदर्शन गांग, समाजसेवी,
बडनेरा
9422156523

ज़ब धरती पर गिरने लगा हरि का रूधिर

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- हरि का स्रधिर तब सप्त ताल वृक्ष की तरह उनके सिर के से पृथ्वी पर गिरने लगा. यह देखकर गोप डरकर नीचे गिर कर गया. इसे देखकर गाय शेषाद्रि से उतर कर राजा की सभा में गयी.यह पर वह नीचे लढ़कती आंखों से आँसू निकालने लगी. इसे देखकर राजा को चिंता हुई. राजा ने तब इस रहस्य को जानने अपने गुप्तचरों जंगल में भेजा.

राजा के गुप्तचर गाय का पीछा करते गए.वह गाय वेंकटाद्रि पर चढ़कर वल्मीक के पास जाकर स्क गयी. बांबी से स्रधिर का बहना गाय का वहाँ खड़े होकर थन से दूध देना, गोप का वहाँ पर गिरे रहना आदि को देखकर गुप्तचरों ने डर कर भागते हुए आकर राजा को सब कुछ बता दिया. राजा ने शीघ्र ही पालकी में बैठ कर परिवार समेत वेंकटाद्रि पर पहुँच कर वहाँ घटित पूरे दृश्य को देखा. अपने मंत्रियों की तरफ देखकर 'इस वल्मीक से ऐसा स्रधिर का बहना, गोप का मर कर यहाँ पर गिरा पड़ा रहना, गाय के द्वारा आँखों से आँसू बहाने का कारण क्या है?' इस रूप में वितर्क करते समय श्रीहरि वल्मीक में से अति रक्त सिक्त शरीर से, आँखों में आँसू निकलते, गद्गद कंठ से, शंख, चक्र धारण करके बाहर निकले. राजा को देखकर इस रूप में कहा. 'हे! पापात्मा ! मैं बांबी में छिपा हुआ था. आज तुम्हारे गोप ने यहाँ पर आकर सदा मुझे दूध देनेवाली गाय के सिर पर मारा है. परशु से अतिक्रूर ढंग से मेरे सिर पर मारा. इस घोर पाप के कारण वह मर गया है. सुनो राजा ! मैं अनाथ हूँ, माता-पिता न होने से, पत्नी-बच्चे न होने से, बंधुजनों के न होने से, अति गरीब बनकर, परदेशी बनकर यहाँ पर आया. शेषाचल पर रहनेवाली इस बांबी में छिपा हुआ था. तब माँ समान इस धर्म सुरभि ने मुझे नित्य दूध देकर मेरी रक्षा की है. तुम्हारे पशुपालक के द्वारा गाय को. मारने का पाप फल उसने प्राप्त किया. वह तुम्हारा है इसलिए उसके भरने का पाप फल तुमको भी भोगना पड़ेगा. तुम नीच दशा को प्राप्त करके धरती पर पिशाच बन कर रहो.' श्री हरि के इस शाप को सुनकर डर कर राजा बेहोश होकर धरती पर गिर गया. थोड़ी देर के बाद राजा ने होश में आकर उठकर सामने लीला मानुष विग्रह के रूप में खड़े श्रीहरि को साष्टांग दंडवत करके मुकलित हस्तों के साथ गद्गद स्वर में रोते हुए स्वामी को देखकर इस रूप में कहा.'अहो देव ! जानबूझ कर मैंने ऐसा नहीं किया. आपने अति कठोर शाप देकर मुझे संकट में डाल दिया. मैं इसे कैसे सहन कर सकता हूँ. हे जगदीश्वर ! मुझ पर कृपा करके इस कठोर शाप से मुक्त होने का उपाय मुझे आप बताइए.' आर्ति बनकर इस रूप में राजा के कहने पर कमलाक्ष ने उसकी तरफ देखकर इस रूप में कहा. 'हे नृपति ! तुम्हारा कोई दोष नहीं है, किंतु मैं इसे नहीं जानता था. व्यर्थ ही तुमको शाप दिया. मेरा शाप व्यर्थ नहीं जाता. अब मैं क्या करूँ? शेषाचल पर बांबी में दुबक कर छिपा हुआ था, मुझे तितर-बितर करके मुझे कष्ट पहुँचाया गया. इसलिए सत्य को नहीं जानते हुए बुरे रूप में तुम सुजन को दुष्ट समझकर कठोर शाप दिया. धरती पर मेरे इस शाप को कोई रोक नहीं सकता.तुम पर वत्सलता को भी मैं छोड़ नहीं सकता हूँ.

शेष अगले अंक में

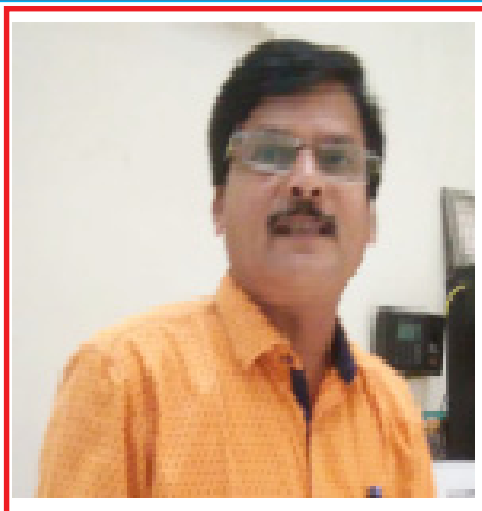

शहर के सुख्यात युवा व्यवसायी एवं होटल रामगिरी इंटरनेशनल के संचालक, हमारे प्रिय मित्र तथा सामाजिक, जेसीस के कामों में अग्रणी

सुनीलभाऊ जयस्वाल

को जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं.

वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना,
जन्मदिन पर मंगलमय शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

होटल रामगिरी इंटरनेशनल, वीएसएम होटल के सभी कर्मचारी तथा सहयोगी, विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

मानवता,गरीब सेवा को समर्पित हैं डॉ. पंकज घुंडियाल

जन्मदिन २ मार्च पर विशेष : विश्वस्तर पर चमकाया है अमरावती का नाम, २६ साल से करते हैं सहभागिता

अमरावती- जिले के वैद्यकीय इतिहास में कुछ ही ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से न केवल अपने परिवार बल्कि शहर का नाम भी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है. राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में पिछले 26 साल से सहभागिता के माध्यम से डॉ.पंकज घुंडियाल ने अमरावती का नाम वैद्यकीय क्षेत्र में चमकाया है. शहर को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच सुविधाओं से सुसज्जीत करते हुए मरीजों के लिए वरदान साबित होने वाले घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक डॉ. पंकज घुंडियाल का 2 मार्च को जन्मदिन है. उन्हें जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वह स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

वे जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन वे रिश्तों को गंभीरता से निभाने वाले व्यक्ति हैं. जितने अच्छे कमेंटेटर हैं, इतने ही अच्छे क्रिकेटर हैं. आज के तनावपूर्ण जीवन में किसी को खुशियां देना कठिन काम होता है लेकिन वे अपने सामाजिक उपक्रमों तथा कार्यों को मानवता की सेवा करने का सदैव प्रयास करते हैं. बहुगुणी व्यक्ति होने के बाद भी किसी तरह का घमंड नहीं है. वे कहते हैं कि शहर ने उन्हें अपार प्यार दिया है, यही कारण है कि जीवन में उन्होंने धन-दौलत की बजाय अपने शहर की सेवा करने का फैसला लिया और जीआरडीसी को विश्वस्तरीय डायग्नोस्टिक केन्द्र बनाने के लिए लगातार प्रयास किया है. यह लोगों के प्यार का ही परिणाम है कि यह केन्द्र आज राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से लैस होकर मरीजों को अचूक जांच सेवा दे रहा है.

जीआरडीसी ने जहां अमरावती का नाम वैद्यकीय क्षेत्र में चमकाया है, वहीं गरीबों की मदद करने वाला और कोई भी गरीब मरीज पैसे के लिए जांच के बगैर नहीं लौटने को डॉ. पंकज घुंडियाल अपना गौरव मानते हैं. उनके मुताबिक अमरावती ही नहीं तो समूचे विदर्भ से मरीज यहां आते हैं. अचूक जांच ही केन्द्र की सबसे बड़ी खूबी है. पिछले 21 साल से मरीजों की सेवा के साथ ही सभी सहयोगियों , हितचिंतकों के प्रति

विदर्भ स्वाभिमान

अमरावती ने बहुत कुछ दिया, लौटाने का प्रयास

नैतिकता, सच्चाई और ईमानदारी को जीवन की सबसे बड़ी ताकत मानने वाले डॉ. घुंडियाल का कहना है अमरावतीवासियों ने उन्हें अपार प्रेम और विश्वास दिया है, आज जब वह समर्थ हो गए हैं तो उस प्रेम को अपने माध्यम से लौटाने का प्रयास करते हैं. उन्होंने कहा कि गरीबों की दुवाएं सदैव असर दिखाती हैं. माता-पिता की खुशी और उनका आशीर्वाद और चहेतों का अपार प्रेम और विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है. सेवा के मामले में कर्मयोगी संत गाड़गेबाबा के सिद्धांतों का जिक्र करते हुए वे कहते हैं कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है. ऐसे में जांच में जितना सहयोग कर सकते हैं, करते हैं.पिछले 16 साल से उन्हों ने सुबह 8-10 बजे तथा रात में भी 8-10 बजे तक गरीब मरीजों को रियायत देना शुरू किया है, इसका लाभ होता है उनकी दुवाएं और आशिर्वाद विश्वस्तरीय कामयाबी दे रही है.

कृतज्ञता जताना वे नहीं भूलते हैं. उनके मुताबिक सकारात्मक सोच के साथ किया गया कोई भी काम असफल नहीं होने की उनके पिता स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल की सीख ही उनके जीवन में काम आयी है.

आज पैसे के लिए कुछ भी करने की सोच वाले दौर में भी नैतिकता का हर हाल में पालन करने वाले तथा संगठन की नैतिक कमिटी के पूर्व चेयरमैन डॉ. पंकज घुंडियाल जिले के पहले ऐसे डाक्टर हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं में बुलाया जाता है. इतना ही नहीं तो क्षेत्र के अनगिनत पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. इसे माता-पिता का आशिर्वाद और चहेतों की वेल विशेष बताते हुए जीवन के आखिरी दम तक जितना संभव हो सके, लोगों के लिए करने की बात कही.

विश्वस्तरीय एक से बढ़कर एक नई मशीनों से यहां मरीजों की जांच होती है. इसके साथ ही गरीब और जरूरतमंदों को यथासंभव समुचित मार्गदर्शन और सहयोग देने का काम किया जाता है.वे कहते हैं कि सदा गरीबों की खुशियां उन्हें अपार खुशी देती है.

दुसरी और केंद्र में गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों को सुबह 8-10 और शाम में भी 8-10 बजे विशेष रियायत देने वाला पहला केन्द्र है. यही कारण है कि अपार विश्वास के साथ ही मरीजों की भीड़ सदैव यहां रहती है. उन्हें जन्मदिन पर बहुत शुभकामनाएँ.

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

डॉ.गोविंद
कासट,अमरावती.

साहित्यकार कुंदन पाटिल को के. बी. राइटर्स कलमकार सम्मान घोषित, सर्वत्र प्रशंसा

विदर्भ स्वाभिमान,25 फरवरी

देवास- मध्य प्रदेश के जाने-माने हिंदी साहित्यकार कुंदन पाटील को साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए के.बी.राईटर्स कलमकार सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया. इसके लिए उनकी सर्वत्र सराहना की जा रही है. देवास मध्य प्रदेश के साहित्यकार कुंदन पाटिल को विश्व रिकॉर्ड धारक के. बी. राइटर्स अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक मंच' द्वारा आपको के. बी. राइटर्स कलमकार सम्मान 2025' के लिए चयनित किया गया है.वर्ष 2025 के दौरान साहित्य के संवर्धन, उत्थान और समाज को अपनी लेखनी से नई दिशा देने हेत आपके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए निर्णायक मंडल ने आपका चयन किया है. ज्ञात हो कि इस सम्मान हेतु देशभर से 400 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से केवल 51 श्रेष्ठ रचनाकारों की सूची में आपने अपना स्थान बनाया है.साहित्य जगत में आपके इस स्वर्णिम योगदान के लिए आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं. हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपकी कलम इसी प्रकार निरंतर सक्रिय रहकर समाज का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी.इससे पहले भी कई पुरस्कार मिल चुके हैं.

गुरूवार से 25 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक का भविष्य

मेष-फरवरी महीने का यह सप्ताह मिलाजुला रहेगा. सप्ताह के आरंभ में आपकी राशि में बुध का गोचर होगा. जबकि राहु पहले से ही आपकी राशि में विराजमान हैं. ऐसे में आपका दिमाग आपको सीधे रास्ते की बजाय पगडंडियों से ले जाने का काम करेगा और आप परंपरा से हटकर कुछ ना कुछ नया करेंगे. आप कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ कई बार तो आपके लिए भी यह समझना कठिन होगा कि आपने ऐसा क्यों किया है.

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह का आरंभ रोमांटिक होगा. आप कार्यक्षेत्र में विपरीतलिंगी साथी सहकर्मियों से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे. नौकरी में आपका सम्मान बढेगा. सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी. आपकी कोई कार्ययोजना सफल होने से आपका मन भी प्रसन्नचित्त रहेगा. वैसे इस हफ्ते आप चतर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे, और इससे भी लाभ प्राप्त कर पाएंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें. आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-फरवरी महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

जिगरी मित्र गणेश मेश्राम तथा सौ. गीताताई मेश्राम तथा मेरे प्रिय भतीजे संदीप दुबे-सौ.शीतल दुबे को शादी की सालगिरह २८ फरवरी पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा दुबे परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं,
स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रज्वल भामोदकर
संचालक-शिव बिल्डर्स, समाजसेवी, दानशूर और
माता-पिता के भक्त आदर्श बेटे

प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

शुभेच्छुक -
प्रज्वल भामोदकर मित्र परिवार,विदर्भ स्वाभिमान
परिवार, राजेश सोलव तथा साथी.

बुराई पर सच्चाई की जीत का पर्व है होली

भारतीय पर्व खुशियों के साथ ही समृद्धि का होता है परिचायक, रंगपंचमी का पर्व भी देता है खुशियां, होली देती है सच्चाई की ताकत का संदेश

भारतीय संस्कृति महान है और इसके हर खुशियों के पल भी जीने का संदेश देते हैं. होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का जहां प्रतीक पर्व है, वहीं हम सभी परमात्मा और प्रतीक के अधीन रहने वाले हैं. उसकी ही इच्छा से सब चलता है, ऐसे में सदा प्रसन्नता का भाव रखें और हंसते-हंसाते हुए जीवन को पूरा करने का प्रयास करें. होलिका दहन भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण और प्राचीन पर्व है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है. यह पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इसके अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है. होलिका दहन केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और आस्था का उत्सव भी है.

होलिका दहन की कथा भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप से जुड़ी है. हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति से रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रह्लाद अडिग रहे. अंततः हिरण्यकश्यप की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठी. किंतु भगवान की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहे और होलिका जलकर भस्म हो गई. इस घटना से यह संदेश मिलता है कि सत्य, श्रद्धा और धर्म की सदैव विजय होती है. अगर कोई आपके साथ छल कर रहा है तो निश्चित तौर पर उसका जवाब प्रकृति अथवा परमात्मा उसे देंगे. होलिका दहन के दिन लोग लकड़ियां और उपले एकत्र कर चौराहे या खुले स्थान पर होली जलाते हैं. पूजा-अर्चना कर नई फसल की बालियां अग्नि को अर्पित की जाती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है. ग्रामीण क्षेत्रों में यह पर्व नई फसल के स्वागत और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर भी होता है. सामाजिक दृष्टि से होलिका दहन आपसी द्वेष, नकारात्मकता और बुराइयों को त्यागने का संदेश देता है. लोग पुरानी रंजिशें भुलाकर नई शुरुआत का संकल्प लेते हैं. यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, सत्य और सदाचार का मार्ग अंततः विजय की ओर ले जाता है. आधुनिकता के दौर में जब स्वार्थ, मक्कारी, सच्चे रिश्ते के साथ भी ईमानदारी के अभाव के दुःख के बीच ऐसे पर्व खुशियों का माध्यम बनते हैं. इस प्रकार होलिका दहन आस्था, परंपरा, सामाजिक समरसता और सकारात्मकता का प्रतीक है, जो हर वर्ष हमें नई ऊर्जा और नई शुरुआत का संदेश देता है. होली के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनएं. दोनों ही पर्व खुशियों के माध्यम बनते हैं.

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

आदर्श बेटा, आदर्श बिल्डर हैं प्रज्वल भामोदकर

जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की शुभकामनाएँ, माता-पिता को मानते हैं जीवन में मार्गदर्शक,भोलेनाथ के हैं भक्त

अमरावती शहर में सुख्यात शिव बिल्डर्स के संचालक, दानशूर, सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले वल्लभ नगर निवासी प्रज्वल भामोदकर जितने आदर्श बेटे हैं, उतने ही बेहतरीन कर्मठ और काम को पूजा मानने वाले बिल्डर भी हैं. उनकी हर स्कीम जहां लोगों को प्रभावित करती है, वहीं हजारों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले प्रज्वल भामोदकर की सादगी ही उनके आदर्श व्यक्तित्व का उदाहरण है. आज के दौर में जब युवा पीढ़ी नए सपनों और आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ रही है, तब एक ऐसा युवा बिल्डर जो अपने परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ और समाज के प्रति जिम्मेदार हो, वह वास्तव में आदर्श बेटा कहलाने योग्य है.

एक आदर्श बेटा प्रज्वल केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन नहीं करते हैं , बल्कि उनके संस्कारों को अपने कर्मों से जीवंत रखा है. विशेष रूप से मां के प्रति उनका सम्मान युवाओं के लिए सीख देने जैसा है. वह अपने माता-पिता का सम्मान करता है, उनकी भावनाओं को समझता है और हर परिस्थिति में उनका सहारा बनकर खड़ा रहते हैं.सफलता की ऊँचाइयों पर पहुंचकर भी वह अपनी जड़ों को नहीं भूलते हैं. हनुमान मंदिर वल्लभ नगर में उनका मां की याद में सहयोग निश्चित ही अमीरी में भी भक्तिभाव और नेक कामों में योगदान का परिचायक है.

प्रज्वल भामोदकर का जीवन आसान नहीं होता. निर्माण क्षेत्र में कड़ी मेहनत, धैर्य, दूरदृष्टि और ईमानदारी की आवश्यकता होती है.जो उनमें रहने से कम उम्र में भी इस क्षेत्र में आज कामयाबी की बुलंदी पर हैं. दिन-रात मेहनत कर, नई तकनीकों को अपनाकर और गुणवत्ता को प्राथमिकता देकर वह अपने सपनों को साकार करता है.

वह केवल इमारतें नहीं बनाते, बल्कि लोगों के सपनों का घर तैयार करते हैं.एक मजबूत नींव की तरह उसका चरित्र भी सुदृढ़ होता है विश्वास, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से भरा हुआ.गरीबों, जरूरतमंदों की मदद में वे सदा अग्रणी रहते हैं.

एक आदर्श बेटा होने के नाते वह अपने माता-पिता के त्याग और आशीर्वाद को अपनी सबसे बड़ी पूंजी मानते हें. उनके मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर वह हर निर्णय सोच-समझकर करते हैं और मित्रों का समूह तैयार किया है, जिसे वे अपनी ताकत मानते हैं. उनकी सफलता में केवल धन नहीं, बल्कि परिवार की खुशहाली और समाज का विश्वास शामिल होता है.

एक सच्चे युवा बिल्डर के समाज के विकास में भी योगदान देते हैं. प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव के भक्त के साथ ही अच्छे और नेक कामों में उनका सदा सहयोग रहता है. उनका मानना है कि माता-पिता सबसे बड़े त्यागी और मार्गदर्शक होते हैं. उन्हें प्रसन्न रखने वाले के जीवन में कभी कोई कमी नहीं आती है. सभी के चहेते प्रज्वल भामोदकर को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

विदर्भ में सबसे अधिक गर्म रहा अमरावती,छूटा पसीना

जिले में गर्मी दिखाने लगी है असर, सैकड़ों गांवों में जलसंकट, लगने लगे हैं घरों में कूलर

विदर्भ स्वाभिमान, 25 फरवरी

अमरावती- जिला इस बार भी गर्मी की तपिश झेलने की नौबत आने वाली है. यद्यपि फिलहाल गर्मी का असर नहीं दिखाई दे रहा है. लेकिन आगामी दिनों में गर्मी की तीव्रता बढ़ने की संभावना है. पिछले सप्ताह एक दिन विदर्भ में अमरावती सबसे अधिक गर्म रहा. रविवार के दिन विदर्भ में अमरावती तथा वर्धा सबसे अधिक तपा. दोनों ही शहरों का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तथा अमरावती का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. प्रादेशिक मौसम केन्द्र से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को अमरावती का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

शहर में पिछले दो दिनों से गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. इसके चलते अभी तक पंखे के भरोसे काम चलाने वालों ने भी रविवार को कूलर की साफ-सफाई के साथ ही कूलर की जांच कर उसे शुरू कर दिया है. गर्मी की तीव्रता जहां बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर एक दिन बढ़ने और दूसरे दिन घटने के कारण हाथ-पैर में दर्द, थकावट के साथ ही सर्दी-खांसी बुखार की समस्या से बच्चों तथा बुजुर्गों के साथ सभी को जूझना पड़ रहा है.

दोपहर के समय सड़कों पर बाकी दिनों की तुलना में वाहनों की संख्या में कमी आयी है, जबकि बाजारों में भीड़ भी दोपहर की बजाय शाम 6 बजे के बाद खरीदी में विश्वास करने लगी है. तेज धूप और लू के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं. अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी शिकायतों जैसे डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और थकान के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है. नागरिकों को अधिक पानी पीने, धूप से बचने और दोपहर के समय बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है.

ग़र्मी के कारण जिले में बढ़ सकता है जलसंकट

अमरावती जिले में भी गर्मी का असर दिखाई देने वाला है. अभी से कई गांवों में जलसंकट वाली स्थिति है. केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रूपए जलापूर्ति के लिए खर्च करने के बाद भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है. धारणी तहसील के साथ विदर्भ के नंदनवन के रूप में पहचान रखने वाले चिखलदरा के भी कुछ गांवों में जलसंकट की स्थिति है.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048